UNIVERSITY OF MUMBAI
No. UG/ 71 of 2018-19

CIRCULAR:-

Attention of the Principals of the Affiliated Colleges and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty is invited to this office circular No. UG/38 of 2017-18, dated 15th July, 2017 relating to syllabus of Bachelor of Arts.

They are hereby informed that the recommendations made by the Board of Studies in Hindi at its meeting held on 2nd May, 2018 have been accepted by the Academic Council at its meeting held on 5th May, 2018 **vide** item No. 4.61 and that in accordance therewith, the revised syllabus as per the (CBCS) for the M.A. in Hindi – Sem I to IV has been brought into force with effect from the academic year 2018-19, accordingly. (The same is available on the University's website www.mu.ac.in).

(Dr. Dinesh Kamble)
I/c REGISTRAR

MUMBAI – 400 032
6th ~~June~~ July, 2018

To

The Principals of the affiliated Colleges and Directors of the recognized Institutions in Humanities Faculty. (Circular No. UG/334 of 2017-18 dated 9th January, 2018.)

A.C/4.61/05/05/2018

****

No. UG/ 71 -A of 2018 MUMBAI-400 032 6th ~~June~~ July, 2018

Copy forwarded with Compliments for information to:-

1) The I/c Dean, Faculty of Humanities,
2) The Chairman, Board of Studies in Hindi,
3) The Director, Board of Examinations and Evaluation,
4) The Director, Board of Students Development,
5) The Professor-cum-Director, Institute of Distance and Open Learning (IDOL),
6) The Co-Ordinator, University Computerization Centre,

(Dr. Dinesh Kamble)
I/c REGISTRAR

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi at the M.A. Examination Credit and Choice Based Semester System (Revised)

(With effect from the Academic Year: 2018-19-20-21)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and
Pattern of Question Paper in the
Subject of
Hindi
at the
M.A. Examination
Credit and Choice Based
Semester System (Revised)

हिन्दी अध्ययन मंडल
अध्यक्ष : डॉ. विष्णु र. सरवदे,

१. डॉ. अनिल सिंह	— सदस्य
२. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर	— सदस्य
३. डॉ. मनप्रीत कौर	— सदस्य
४. डॉ. शीला आहुजा	— सदस्य
५. डॉ. संतोष मोटवाणी	— सदस्य
६. डॉ. विद्या शिंदे	— सदस्य
७. डॉ. गौतम सोनकांबळे	— सदस्य
८. डॉ. प्रकाश धुमाल	— सदस्य
९. डॉ. मोहसिन खान	— सदस्य

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

एम. ए. हिंदी प्रथम वर्ष

Choice Based Credit System के

अनुसार संशोधित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक वर्ष : २०१८ — १९ से २०२० — २१

पाठ्यक्रम समिति :

१. डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय (समन्वयक)

२. डॉ. विष्णु सरवदे (सदस्य)

३. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर (सदस्य)

४. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)

५. डॉ. बालकवि सुरंजे (सदस्य)

६. डॉ. उमेश शुक्ल (सदस्य)

७. डॉ. सुनिल चव्हाण (सदस्य)

८. डॉ. महेश दवंगे (सदस्य)

एम. ए. (प्रथम वर्ष) सेमेस्टर I एवं II

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit System

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 101

प्रश्न पत्र — १

हिन्दी साहित्य का इतिहास

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. इतिहास दृष्टि एवं साहित्येतिहास लेखन

२. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं पुनर्लेखन की समस्याएँ

३. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण

४. आदिकाल : परिवेश

: सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य

: अमीर खुसरो एवं विद्यापति

इकाई दो और तीन **श्रेयांक — २**

५. भक्तिकाल : परिवेश

: भक्ति आंदोलन का विकास

: संत काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: सूफी काव्य : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: रामभक्ति काव्यधारा : परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ

: कृष्णभक्ति काव्यधारा का विकास एवं प्रवृत्तियाँ

: भक्तिकाव्य की प्रासंगिकता

इकाई चार **श्रेयांक — १**

६. रीतिकाल : रीतिकालीन परिवेश

: रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 102

प्रश्न पत्र — २

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. आधुनिक कालीन परिवेश

इकाई दो **श्रेयांक — १**

२. आधुनिक हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत अध्ययन :

भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद,

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता,

नवगीत, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता।

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

३. हिंदी गद्य साहित्य :

हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं का क्रमिक विकास —

३.१ उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध,

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३.२. आलोचना, यात्रा वृत्तांत, डायरी, पत्र, जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र, संस्मरण।

सन्दर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १ और २)

१. हिंदी साहित्य का इतिहास — आ. रामचंद्र शुक्ल

२. हिंदी साहित्य का इतिहास — संपादक डॉ. नगेंद्र

३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

४. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

५. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

६. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. श्यामचंद्र कपूर

७. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह

८. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ — डॉ. जयकिशन प्रसाद खंडेलवाल

९. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ — डॉ. गोविंदराम शर्मा

१०. आधुनिक साहित्य का इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह

११. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास — बाबू गुलाबराय

१२. हिंदी साहित्य की भूमिका — डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

१३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्क इतिहास — डॉ. रामकुमार वर्मा

१४. हिंदी गद्य : उद्‌भव और विकास — डॉ. उमेश शास्त्री

१५. हिंदी साहित्य एक परिचय — डॉ. त्रिभुवन सिंह

१६. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास — डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

१७. हिंदी रीति साहित्य का इतिहास — डॉ. भगीरथ मिश्र

१८. रीतियुगीन काव्य — डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा

१९. रीतिकाव्य की भूमिका — डॉ. नगेंद्र

२०. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल — श्री नारायण चतुर्वेदी

२१. हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ — डॉ. शिवकुमार शर्मा

२२. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास — डॉ. सभापति मिश्र

२३. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. माधव सोनटक्के

२४. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास — डॉ. मोहन अवस्थी

२५. हिंदी साहित्य का सही इतिहास — डॉ. चंद्रभानु सोनवणे/डॉ. सूर्यनारायण रणसूभे

२६. आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२७. आधुनिक हिंदी कविता में काव्य चिंतन — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२८. साहित्य और संस्कृति के सरोकार — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
२९. आधुनिक हिन्दी साहित्य : वाद, प्रवृत्तियाँ एवं विमर्श — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
३०. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास — डॉ. सुमन राजे
३१. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ — डॉ. कैशालचंद्र भाटिया
३२. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ — डॉ. सुरेशकुमार जैन
३३. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. भंडारे उद्धव तुकाराम
३४. हिंदी साहित्य का इतिहास — डॉ. सज्जनराम केणी
३५. हिंदी साहित्य — डॉ. धर्मवीर भारती
३६. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना — सं. डॉ. अनिल सिंह

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 103

प्रश्न पत्र — ३

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

खण्ड — क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

२. अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण

३. रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्यगुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ

इकाई दो **श्रेयांक — १**

४. आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आ. नंददुलारे वाजपेयी, आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी

खण्ड — ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

१. सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, मार्क्सवाद

इकाई चार **श्रेयांक — १**

२. विचारक :
   १. प्लेटो के काव्य सिद्धांत
   २. अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी एवं विरेचन सिद्धांत
   ३. लोंजाइनस : उदात्त संबंधी मान्यताएँ

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 104

प्रश्न पत्र — ४

काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

खण्ड — क (भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिंदी आलोचना)

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद

२. ध्वनि सिद्धांत : स्वरूप, प्रमुख रचनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत व्यंग्य

३. औचित्स सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद

इकाई दो **श्रेयांक — १**

४. डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह

खण्ड — ख (पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धांत और विचारक)

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

१. सिद्धांत और वाद : अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

इकाई चार **श्रेयांक — १**

२. विचारक :

१. मैथ्यू आर्नल्ड — आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

२. टी. एस. इलियट — परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

३. आई. ए. सिचर्ड्स — व्यावहारिक आलोचना, रागात्मक अर्थ संवेगों का संतुलन, संप्रेषण।

सन्दर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ३ और ४)

१. भारतीय साहित्य शास्त्र — डॉ. बलदेव उपाध्याय

२. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा — डॉ. नगेंद्र

३. साहित्य का मूल्यांकन — डॉ. रामचंद्र तिवारी

४. रस सिद्धांत : स्वरूप और विश्लेषण — डॉ. आनंद प्रसाद दीक्षित

५. रस सिद्धांत — डॉ. नगेंद्र

६. काव्यतत्व विमर्श — डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

७. काव्यशास्त्र — डॉ. भगीरथ मिश्र

८. साहित्य शास्त्र — डॉ. कमलाप्रसाद पाण्डेय

९. भारतीय समीक्षा सिद्धांत — डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी

१०. ध्वनि सिद्धांत और हिंदी के प्रमुख आचार्य — डॉ. टी. एन. राय

११. आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत — डॉ. रामलाल सिंह

१२. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना — डॉ. रामविलास शर्मा

१३. आलोचक का दायित्व — डॉ. रामचंद्र तिवारी

१४. हिंदी आलोचना का विकास — नंदकिशोर नवल

१५. नामवर के विमर्श — डॉ. सुधीश पचौरी

१६. पाश्चात्य काव्य सिद्धांत — डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त

१७. पाश्चात्य काव्यशास्त्र — देवेंद्र नाथ शर्मा

१८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र — डॉ. निर्मला जैन

१९. उत्तर अराधुनिकता : कुछ विचार — सं. देवीशंकर नवीन

२०. उत्तर अराधुनिकता : साहित्यिक विमर्श — डॉ. सुधीश पचौरी

२१. समीक्षा के विविध आधार — सं. डॉ. रामजी तिवारी

२२. पाश्चात्य काव्य चिंतन — डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय

२३. छन्दोलंकार प्रदीपिका — विश्वबंधु शर्मा

२४. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा — डॉ. निर्मला जैन

२५. हिंदी आलोचना का सैद्धांतिक आधार — कृष्णदत्त पालीवाल

२६. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के प्रतिमान — डॉ. हरीश अरोड़ा

२७. आई. ए. रिचर्ड्स के समीक्षा सिद्धांत — डॉ. विष्णु सरवदे

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 105

प्रश्न पत्र — पाच

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

खण्ड : क

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. भाषा : भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य

२. भाषा विज्ञान : भाषा विज्ञान नामकरण, परिभाषा, स्वरूप और व्यप्ति,

भाषा विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र, अध्ययन की दिशाएँ, भाषा — विज्ञान के प्रकार — भाषा विज्ञान अनुप्रयुक्त और व्यतिरेकी भाषा — विज्ञान।

इकाई दो **श्रेयांक — १**

३. स्वन विज्ञान : परिभाषा, स्वरूप, वाग अवयव और उनके कार्य, स्वनिम की विशेषताएँ, स्वनिम के भेद — खण्डेय स्वनिम, खंडयेत्तर स्वनिम, स्वन परिवर्तन की दिशाएँ, स्वन परिवर्तन के कारण, हिंदी स्वरों तथा व्यंजनों का वर्गीकरण।

खण्ड : ख

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

१. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : **प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ —** वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ।

मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ — पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।

आधुनिक भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय — मराठी, गुजराती, राजस्थानी, पंजाबी, तेलगु, कन्नड, तमिल, मलयालम।

इकाई चार **श्रेयांक — १**

२. **हिंदी का वाक्य विन्यास** : पद, पदक्रम, वाक्य के भेद (अर्थ एवं रचना के आधार पर)

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 106

प्रश्न पत्र — छह

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

खण्ड : क

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. रूप विज्ञान : रूप विज्ञान का स्वरूप, शब्द और रूप, अर्थतत्व और संबंध तत्व, संबंध तत्व के प्रकार, रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण, रूपिम और संरूप, रूपिम के भेद।

२. वाक्य विज्ञान : परिभाषा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

इकाई दो **श्रेयांक — १**

३. अर्थ विज्ञान : अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

खण्ड : ख

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

१. हिंदी की रूप रचना :

१. हिंदी की शब्द रचना, धातु, उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

२. लिंग, वचन, कारक के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया का रूपांतरण।

इकाई चार **श्रेयांक — १**

२. देवनागरी लिपि : नामकरण, उद्‌भव और विकास, विशेषताएँ, मानक रूप एवं त्रुटियाँ।

सन्दर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ५ और ६)

१. भाषा विज्ञान — डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

३. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास — डॉ. उदयनारायण तिवारी

४. हिंदी भाषा — डॉ. भोलानाथ तिवारी

५. सरल भाषा विज्ञान — डॉ. अशोक के. शाह

६. भाषिकी, हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण — डॉ. अंबादास देशमुख

७. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम — डॉ. अंबादास देशमुख

८. सामान्य भाषा विज्ञान सैद्धांतिक विवेचन — डॉ. विद्यासागर दयाल

९. वर्ण विज्ञान — श्री. प्रभात रज्जन सरकार

१०. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा — डॉ. देवेंद्र कुमार शास्त्री

११. हिंदी व्याकरण प्रकाश — डॉ. महेंद्र कुमार राना

१२. भाषा विज्ञान की रूपरेखा — द्वारका प्रसाद सक्सेना

१३. नागरी लिपी : रूप और सुधार — मोहन ब्रज

१४. हिंदी उद्‌भव विकास और रूप — हरदेव बाहरी

१५. भाषा और भाषिका — डॉ. देवीशंकर द्विवेदी

१६. सामान्य भाषा विज्ञान — डॉ. बाबूराम सक्सेना

१७. हिंदी भाषा एवं भाषाविज्ञान — डॉ. महावीरसरन जैन

१८. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत — डॉ. रामकिशोर शर्मा

१९. भाषा — सं. राजमल बोरा

२०. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा स्वरूप का विकास — डॉ. देवेंद्र सिंह

२१. भाषा विज्ञान — रमेश रावत

२२. भाषा और सूचना प्रद्यौगिकी — डॉ. अमर सिंह वधान

२३. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन — रामगोपाल शर्मा

२४. हिंदी भाषा : कल और आज — पूरनचंद टंडन

२५. हिंदी भाषा, व्याकरण और रचना — डॉ. अर्जुन तिवारी

२६. भारतीय भाषा विज्ञान — आचार्य किशोरदास वाजपेयी

२७. आधुनिक भाषा विज्ञान — राजमणि शर्मा

२८. हिंदी भाषा : इतिहास और स्वरूप — राजमणि शर्मा

२९. भाषा और प्रौद्योगिकी — डॉ. विनोद प्रसाद

३०. भाषा शिक्षण — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

३१. हिंदी भाषा का इतिहास — डॉ. भोलानाथ तिवारी

३२. हिंदी भाषा की संरचना — डॉ. भोलानाथ तिवारी

३३. राजभाषा हिंदी — कैलाश चंद्र भाटिया

३४. भाषा की उत्पत्ति, रचना और विकास — विनोद दिवाकर

३५. हिंदी व्याकरण — कामता प्रसाद गुरू

३६. हिंदी वर्तनी का विकास — अनिता गुप्ता

३७. हिंदी का विश्व संदर्भ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

Semester - I (प्रथम सत्र)

Course Code : PAHIN 107

प्रश्न पत्र — सात

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. संत कबीरदास : संपादक — हजारीप्रसाद द्विवेदी, प्रकाशक — मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

व्याख्या हेतु पद :

१. साखी —

गुरू के अंग : ३, ११, १६, २७, २८, ३४।

विरह के अंग : १, ५, ६, २२, ४०, ४५।

परचा के अंग: ४, ८, २३, २७, ३८, ४८।

२. पद — १, ३, ६७, ९७, १३४, १६२, १६३, १६८, १७५, १७६, १७७, १९९, २००, २०२, २१७, २२०, २२४, २३४, २४१, २५४।

कुल = २०

इकाई दो **श्रेयांक — १**

२. पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी, संपादक — आ. रामचंद्र शुक्ल

व्याख्या हेतु खण्ड : १. सिंह द्वीप वर्णन खण्ड

२. नागमती वियोग खण्ड

इकाई तीन और चार **श्रेयांक — २**

३. गोस्वामी तुलसीदास : रामचरितमानस, अयोध्या काण्ड द्वितीय सोपान, योगेन्द्र प्रतास सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

व्याख्या हेतु पद : २२३ से २५३। कुल = २५

Semester - II (द्वितीय सत्र)

Course Code : PAHIN 108

प्रश्न पत्र — आठ

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. भ्रमरगीत सार : संपादक — आ. रामचंद्र शुक्ल

व्याख्या हेतु पद : १, ५, ७, ९, ११, १६, २६, ३८, ४२, ५१, ५७, ६४, ९०, १०५, ११५, १३१, १३८, १४३, १५७, १७७, १९६, २००, २७९, ३१६, ३६६। कुल = २५

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. कवि भूषण : संपादक — भगवानदास तिवारी, साहित्य भवन, इलाहाबाद

व्याख्या हेतु पद : ०२, १७, २०, २२, २४, २५, २६, ३०, ३५, ४१, ४४, ४६, ४९, ५७, ५८, ६१, ६३, ६९, ७२, ७३, ७९, ९०, ९१, ९५। कुल = २५

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. मीरा पदावली : संपादक एवं टिकाकार — शंभुसिंह मनोहर

व्याख्या हेतु पद : ०२, ०३, ०४, ०७, १०, ११, १२, १३, १४, २०, २३, २७, २८, ३०, ३५, ३६, ३७, ४१, ४३, ४७, ५५, ५६, ६७, ८४, ८७। कुल = २५

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र ७ और ८)

१. कबीर की विचारधारा — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

२. कबीर ग्रंथावली — डॉ. एल. बी. राम'अनंत'

३. कबीर : व्यक्तित्व कृतित्व एवं सिद्धांत — डॉ. सरनाम सिंह

४. कबीर रहस्यवाद — डॉ. रामकुमार वर्मा

५. कबीर साहित्य की परख — आचार्य परशुराम चतुर्वेदी

६. जायसी एवं उनका काव्य — डॉ. शिवसहाय पाठक

७. जायसी का पद्मावत : काव्य और दर्शन — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
८. जायसी — डॉ. विजयदेव नारायण साहि
९. तुलसीदास : आधुनिक वातायन से — डॉ. रमेश कुंतल'मेघ'
१०. जायसी का काव्य शिल्प — डॉ. दर्शनलाल सेठी
११. तुलसीदास और उनका युग — डॉ. राजपति दीक्षित
१२. रामचरितमानस में अलंकार योजना — डॉ. वचनदेव कुमार
१३. मध्यकालीन कवि और कविता — डॉ. रतनकुमार पाण्डेय
१४. कालजयी संत तुलसीदास — डॉ. उमापति दीक्षित
१५. तुलसी काव्य के विविध आयाम — डॉ. उमापति दीक्षित
१६. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१७. विविधा — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१८. साहित्य और संस्कृति के सरोकार — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
१९. रीतिकालीन काव्य परंपरा में पद्मावत — डॉ. द्वारिकानाथ राय
२०. देव और उनकी कविता — डॉ. नगेंद्र
२१. मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य में नारी भावना — डॉ. उषा पाण्डेय
२२. रीति परंपरा के प्रमुख आचार्य — डॉ. सत्यदेव चौधरी
२३. हिंदी काव्य में श्रृंगार परंपरा और बिहारी — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
२४. हिन्दी रीतिकालीन काव्य पर संस्कृत काव्य का प्रभाव — डॉ. दयानंद शर्मा
२५. मीरा और मीरा — महादेवी वर्मा
२६. भक्तिमती मीराबाई : जीवन और काव्य — लालबहादुर सिंह चौहान
२७. कबीर एवं तुकाराम का तुलनात्मक अध्ययन — डॉ. बालकवि सुरंजे
२८. वाल्मीकि एवं तुलसी के नारी पात्र — डॉ. संतोष मोटवाणी
२९. भक्ति साहित्य में विश्वबंधुत्व की भावना — सं. डॉ. अनिल सिंह

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks – 60
2. Internal Examination (आंतरिक परीक्षण) Total Marks - 40

पुस्तक समीक्षा / प्रकल्प — २० अंक
प्रस्तुतीकरण / रचनात्मक कार्य — १० अंक
कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता — ०५ अंक
शिष्टाचार एवं समग्र आचरण — ०५ अंक

प्रश्न पत्र १६ के लिए — ६० अंक (प्रकल्प)
— ४० अंक (मौखिकी)

एम. ए. (प्रथम वर्ष) सेमेस्टर I और II

प्रश्नपत्र का प्रारूप

Course पाठ्यक्रम १ से ६ तक

प्रश्न १ — पूछे गए ४ प्रश्नों में से २ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित — ४० अंक
प्रश्न २ — पूछे गए ४ टिप्पणियों में से २ के उत्तर अपेक्षित — १० अंक
प्रश्न ३ — अ) ०५ अतिलघुत्तरीय प्रश्न — ०५ अंक
ब) ०५ बहुविकल्पीय प्रश्न — ०५ अंक

कुल योग — ६० अंक

Course पाठ्यक्रम ७ एवं ८

प्रश्न १ — संदर्भ सहित व्याख्या (तीनों पुस्तकों में से) ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित — २० अंक
प्रश्न २ — दीर्घोत्तरी प्रश्न (तीनों पुस्तकों से) ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित — ३० अंक
प्रश्न ३ — अ) अतिलघुत्तरीय प्रश्न (तीनों पुस्तकों से) — ०५ अंक
ब) बहुविकल्पीय प्रश्न — ०५ अंक

कुल योग — ६० अंक

एम. ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रत्येक प्रश्न पत्र पर चार व्याख्यान प्रति सप्ताह

१६ x ४ = ६४ व्याख्यान

****

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and Pattern of Question Paper in the Subject of Hindi at the M.A. Examination Credit and Choice Based Semester System (Revised)

(With effect from the Academic Year: 2018-19-20-21)

UNIVERSITY OF MUMBAI

Revised Syllabus and
Pattern of Question Paper in the
Subject of
Hindi
at the
M.A. Examination
Credit and Choice Based
Semester System (Revised)

हिन्दी अध्ययन मंडल
अध्यक्ष : डॉ. विष्णु र. सरवदे,

१. डॉ. अनिल सिंह	— सदस्य
२. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर	— सदस्य
३. डॉ. मनप्रीत कौर	— सदस्य
४. डॉ. शीला आहुजा	— सदस्य
५. डॉ. संतोष मोटवाणी	— सदस्य
६. डॉ. विद्या शिंदे	— सदस्य
७. डॉ. गौतम सोनकांबळे	— सदस्य
८. डॉ. प्रकाश धुमाल	— सदस्य
९. डॉ. मोहसिन खान	— सदस्य

मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई

एम. ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

Choice Based Credit System के

अनुसार संशोधित पाठ्यक्रम

शैक्षणिक वर्ष : २०१८ — १९ से २०२० — २१

पाठ्यक्रम समिति :

१. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय (समन्वयक)

२. डॉ. विष्णु सरवदे (सदस्य)

३. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर (सदस्य)

४. डॉ. संतोष मोटवानी (सदस्य)

५. डॉ. बालकवि सुरंजे (सदस्य)

६. डॉ. उमेश शुक्ल (सदस्य)

७. डॉ. सुनिल चव्हाण (सदस्य)

८. डॉ. महेश दवंगे (सदस्य)

एम. ए. (द्वितीय वर्ष) सेमेस्टर III एवं IV

M.A. Syllabus According to Choice Based Credit System

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 109

प्रश्न पत्र — ९

आधुनिक गद्य

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. गोदान — प्रेमचंद

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. कल्पलता — हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. कथा मंजरी — संपादक — महेन्द्र कुलश्रेष्ठ,
राजपाल प्रकाशन, दिल्ली — ११०००६

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — ९)

१. हिंदी साहित्य का इतिहास — आ. रामचंद्र शुक्ल

२. हिंदी उपन्यास का इतिहास — डॉ. गोपाल राय

३. हिंदी उपन्यास स्थिति और गति — चंद्रकांत बादिवडेकर

४. शांत निकेतन से शिवालिक — डॉ. शिवप्रसाद सिंह

५. दूसरी परंपरा की खोज — डॉ. नामवर सिंह

६. व्योमकेश दरवेश, हजारी प्रसाद द्विवेदी — विश्वनाथ त्रिपाठी

७. प्रेमचंद — नंददुलारे वाजपेयी

८. प्रेमचंद और उनका युग — डॉ. रामविलास शर्मा

९. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ — शंभु गुप्त

१०. हिंदी कहानियों की शिल्प विधि का विकास — डॉ. सत्यपाल चुघ

११. समकालीन कहानी : नया परिप्रेक्ष्य — डॉ. पुष्पपाल सिंह

१२. कहानी का इतिहास — गोपाल राय

१३. साहित्य, समय और संवेदना — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

१४. हिन्दी साहित्य संवदेनाओं की विवेचना — डॉ. सचिन गपाट

१५. समकालीन कहानी संवेदना का साक्षी — सं. डॉ. मनप्रीत कौर

१६. आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास — सं. डॉ. अनिल सिंह

१७. साहित्य और मानवतावाद — सं. डॉ. अनिल सिंह

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 010

प्रश्न पत्र — १०

आधुनिक काव्य

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. कामायनी — जयशंकर प्रसाद

(चिंता, श्रद्धा और इंडा)

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. आंगन के पार—द्वार — अज्ञेय

(बना दे चितेरे, चिड़िया ने, अंत: सलिला, असाध्य वीणा)

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. प्रतिनिधि कविताएँ — मुक्तिबोध

(भूल गलती, अंधेरे में, ब्रह्म राक्षस)

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १०)

१. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन — डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

२. कामायनी एक पुनर्विचार — मुक्तिबोध

३. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ — डॉ. नगेंद्र

४. कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन — डॉ. इद्रनाथ मदान

५. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

६. अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन — डॉ. चंद्रकांत बादिवडेकर

७. अज्ञेय की काव्यतितीर्षा — डॉ. नंदकिशोर आचार्य

८. अज्ञेय की कविता परंपरा और प्रयोग — रमेश ऋषिकल्प

९. प्रसाद निराला अज्ञेय — डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

१०. मुक्तिबोध की काव्यदृष्टि — डॉ. सुरेश रितपुर्ण

११. निराला और मुक्तिबोध : चार लंबी कविताएँ — नंदकिशोर नवल

१२. मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना — डॉ. नंदकिशोर नवल

१३. मुक्तिबोध की कविताएँ — डॉ. अशोक चक्रधर

१४. अज्ञेय, चिंतन और साहित्य — प्रेमधन

१५. आधुनिक हिन्दी प्रबंध काव्य में मिथक और नारी — डॉ. शीला आहूजा

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 111

प्रश्न पत्र — ११

विविध विमर्श एवं साहित्य

पाठ्य पुस्तकें —

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. झूला नट (स्त्री विमर्श) — मैत्रेयी पुष्पा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११०००२

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. अब और नहीं (दलित विमर्श) — ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११०००२

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. धूणी तपे तीर (आदिवासी विमर्श) — हरिराम मीणा, साहित्य उपक्रम, संस्करण — २००८

सन्दर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — ११)

१. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास — डॉ. सुमन राजे

२. हिंदी उपन्यास का स्त्री—पाठ — डॉ. रोहिणी अग्रवाल

३. स्त्री—लेखन : स्वप्न और संकल्प — डॉ. रोहिणी अग्रवाल

४. हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

५. आवां विमर्श — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

६. चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में संघर्ष और संचेतना — अंजु दुआ जैमिनी

७. स्त्री—विमर्श की उत्तर—गाथा — अनामिका

८. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास — मोहनदास नैमिशराय

९. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र — ओमप्रकाश वाल्मीकि

१०. दलित साहित्य : अनुभव संघर्ष एवं यथार्थ — ओमप्रकाश वाल्मीकि

११. मुख्यधारा और दलित साहित्य — ओमप्रकाश वाल्मीकि

१२. माय देह नहीं है औरत — मृदुला सिन्हा

१३. आदिवासी लेखन : एक उभरती चेतना — रमणिका गुप्ता

१४. आदिवासी साहित्य—यात्रा — सं. रमणिका गुप्ता

१५. स्त्री—विमर्श का कालजयी इतिहास — सं. संजय गर्ग

१६. अस्मिता बोध के विविध आयाम — कविता भाटिया

१७. हिंदी साहित्य में वर्णित साम्प्रदायिकता का स्वरूप — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

१८. पिजरें के परिदृश्य का बाहर का आत्मकथन — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

१९. भूमंडलीकरण और हिन्दी कहानी — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

२०. दलित साहित्य संवेदनाओं का अनुशीलन — डॉ. हणमंतराव पाटील, डॉ. सचिन गपाट

२१. इक्कीसवीं सदी के प्रथम दशक की आंबेडकरवादी कविता का अनुशीलन — डॉ. प्रकाश कृष्णदेव धुमाल

२२. कथाकार जगदीशचन्द्र — डॉ. संतोष मोटवाणी

२३. स्त्री अस्मिता और समकालीन साहित्य — सं. डॉ. अनिल सिंह

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 112.1

(अंतः अनुशासनिक अध्ययन)

प्रश्न पत्र — १२.१

भारतीय साहित्य

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. छै बीघा जमीन — फकीरमोहन सेनापति, साहित्य अकादेमी

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. दो खिड़कियाँ — अमृता प्रीतम, राजकमल प्रकाशन,

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. नागमंडल — गिरिश कर्नाड, राजकमल प्रकाशन

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १२.१)

१. भारतीय साहित्य की भूमिका — डॉ. रामविलास शर्मा

२. परंपरा का मूल्यांकन — डॉ. रामविलास शर्मा

३. भारतीय साहित्य — संपा. मूलचंद गौतम

४. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ — के. सच्चिदानंद

५. अप्रतिम भारत — सं. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

६. अतुल्य भारत — सं. वीरेन्द्र याज्ञनिक

७. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था — डॉ. आरसु

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 112.2

(अंतः अनुशासनिक अध्ययन)

प्रश्न पत्र — १२.२

लोकसाहित्य

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. 'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ, लोकतत्त्व अर्थ एवं स्वरूप विवेचन, लोकसाहित्य का स्वरूप — परिभाषाएँ एवं विशेषताएँ — लोकसाहित्य और शिष्टसाहित्य में साम्य—भेद (लोकसाहित्य का क्षेत्र)

२. लोकवार्ता — परिभाषा एवं स्वरूप विवेचन, लोकवार्ता और लोकसाहित्य का संबंध

इकाई दो **श्रेयांक — १**

३. लोकसाहित्य का महत्त्व — सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाशास्त्रीय दृष्टियों से। लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्त्व।

४. लोकगीत — परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणास्त्रोत, लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर — लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ, निम्नलिखित लोकगीतों का परिचय — सोहर, मुंडन, यज्ञोपवीत, विवाह, गौना आदि संस्कारों से संबंधित गीत, कजली, होली, सावनगीत, करवाचौथ के गीत। पवाडा, लावनी।

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

५. लोकगाथा — परिभाषा, विशेषताएँ एवं स्वरूप, उत्पत्तिविषयक सिद्धांत, वर्गीकरण, किसी एक लोकगाथा का सामान्य परिचय।

६. लोकनाट्य — परिभाषा, विशेषताएँ एवं स्वरूप, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर — भारतीय लोकनाट्य परंपरा का परिचय — रामलीला, रासलीला, यक्षगान, जात्रा, भवाई, ख्याल, माच, नौटंकी, कुचिपुडी, तमाशा, ललित, गोंधळ।

इकाई चार **श्रेयांक — १**

७. प्रवीण लोक साहित्य — लोक सुभाषित, लोकोक्तियाँ, मुहावरे, कहावते, पहेलियाँ, मुकरियाँ, सूक्तियाँ, ढकोसले, चुटकुले, मंत्र, टोना आदि का परिचय।

८. लोकसाहित्य में सामाजिक—सांस्कृतिक एवं धार्मिक जीवन का चित्रण। महाराष्ट्र के लोकसाहित्य में सामाजिक सांस्कृतिक एवं धार्मिक झाँकियाँ।

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १२.२)

१. लोकसाहित्य की भूमिका — डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

२. लोकसाहित्य सिद्धांत और प्रयोग — डॉ. श्रीराम शर्मा

३. लोकवार्ता और लोकगीत — डॉ. सत्येंद्र

४. लोकसाहित्य का अध्ययन — डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

५. महाराष्ट्र का हिंदी लोकनाट्य — डॉ. कृष्ण दिवाकर

६. लोकगीतों का विकासात्मक अध्ययन — डॉ. कुलदीप

७. लोकगीतों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि — डॉ. विद्या चौहान

८. हमारे संस्कार गीत — राजारानी वर्मा

९. लोकनाट्य परंपरा और पंक्तियाँ — डॉ. महेंद्र भानावत

१०. भारत के लोकनाट्य — डॉ. शिवकुमार

११. लोकसाहित्य — इंद्रदेव सिंह

१२. लोकसाहित्य विमर्श — डॉ. श्याम परमार

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 112.3

(अंतः अनुशासनिक अध्ययन)

प्रश्न पत्र — १२.३

मराठी संतों का हिंदी काव्य

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. संत नामदेव की हिन्दी पदावली — संपा. डॉ. भगीरथ मिश्र, डॉ. राजनारायण मौर्य (पद संख्या — ०१, ०३, ०९, १२, १५, १८, १९, २३, ३२, ४२, ४८, ५१, ६४, ६५, ७४, ७६, ९२, ९६, ९७, १०५।)

इकाई तीन और चार **श्रेयांक — २**

२. तुकाराम पदावली — प्रा. वेदकुमार वेदांलकार, विकास प्रकाशन, उस्मानाबाद (पद संख्या — ५१, ६०, ८५, १०८, १६१, १६४, १९६, २०१, २७८, ३०२, ३७९, ४१७, ४४६)

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १२.३)

१. संत नामदवे और हिंदी पद साहित्य — डॉ. रामचंद्र मिश्र

२. हिंदी निर्गुण काव्य का प्रारंभ और संत नामदेव की कविता — डॉ. शं. के. आडकर

३. हिंदी और मराठी वैष्णव संत साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन — डॉ. न. चिं. जोगळेकर

४. हिंदी और मराठी का निर्गुण संत काव्य — डॉ. प्रभाकर माचवे

५. मराठी का भक्ति साहित्य — डॉ. भी. गो. देशपांडे

६. मराठी संतों का सामाजिक कार्य — डॉ. वि. भा. कोलते

७. मराठी संतों की हिंदी वाणी — संपा. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित

८. मराठी संत काव्याची सामाजिक फलश्रुति — श्री. गं. बात्र सरदार

९. पाँच संत कवि — श्री. शं. गो. तुळपुळे

१०. मराठी संतों की हिंदी वाणी — डॉ. यु. म. पठाण

११. महाराष्ट्र के नाथपंथी कवियों का हिंदी काव्य — डॉ. अशोक कामत

१२. महाराष्ट्र के प्रमुख साधना संप्रदाय — डॉ. र. वा. बिवलकर

१३. हिन्दी के विकास में मराठी संतों का योगदान — डॉ. सी. एल. प्रभात

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 113.1

प्रश्न पत्र — १३.१

विशेष अध्ययन — जयशंकर प्रसाद

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. तितली (उपन्यास)

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. जनमेजय का नागयज्ञ (नाटक)

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. प्रतिनिधि कहानियाँ (कहानी)

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १३.१)

१. जयशंकर प्रसाद — आ. नन्ददुलारे वाजपेयी

२. आधुनिक साहित्य — आ. नन्ददुलारे वाजपेयी

३. जयशंकर प्रसाद वस्तु और कला — डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल

४. नाटककार जयशंकर प्रसाद — संपादक डॉ. सत्येन्द्र तनेजा

५. हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास — डॉ. दशरथ ओझा

६. प्रसाद का काव्य — डॉ. प्रेमशंकर

७. हिन्दी कथा साहित्य का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

८. आधुनिक हिंदी कविता का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

९. गद्य सुमन — सं. डॉ. अनिल सिंह

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 113.2

प्रश्न पत्र — १३.२

विशेष अध्ययन — जैनेन्द्र

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. त्यागपत्र

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. मुक्तिबोध

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. प्रतिनिधि कहानियाँ

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १३.१)

१. निबन्धकार : जैनेन्द्र कुमार — डॉ. विष्णु सरवदे

२. हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति — डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

३. जैनेन्द्र के उपन्यास मर्म के तलाश — डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

४. हिन्दी कथा साहित्य का पुर्नपाठ — डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय

५. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास — डॉ. इंद्रनाथ मदान

६. हिन्दी उपन्यास एक अतरयात्रा — डॉ. रामदरश मिश्र

७. हिन्दी उपन्यास का इतिहास — डॉ. गोपाल राय

८. भूंमडलीकरण और हिन्दी उपन्यास — डॉ. पुष्पपाल सिंह

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 113.3

प्रश्न पत्र — १३.३

विशेष अध्ययन — कमलेश्वर

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. डाक बगला — कमलेश्वर

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. प्रतिनिधि कहानियाँ — राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. कितने पाकिस्तान — कमलेश्वर, राजपाल प्रकाशन

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १३.२)

१. हिन्दी कथा साहित्य का पुर्नपाठ — डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय

२. कथाकार कमलेश्वर — डॉ. विष्णु सरवदे

३. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास — डॉ. इंद्रनाथ मदान

४. हिन्दी उपन्यास एक अतरयात्रा — डॉ. रामदरश मिश्र

५. हिन्दी उपन्यास का इतिहास — डॉ. गोपाल राय

६. कमलेश्वर का कथा साहित्य — डॉ. मंजुला देसाई

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 113.4

प्रश्न पत्र — १३.४

विशेष अध्ययन — चित्रा मृदुगल

पाठय — पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. एक जमीन अपनी — चित्रा मुद्गल, सामयिक प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११००२ (उपन्यास)

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. पोस्ट बॉक्स नं. २०३ नालासोपारा — चित्रा मुद्गल (उपन्यास)

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. पेंटिंग अकेली है — चित्रा मुद्गल (कहानी)

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १३.३)

१. चित्रा मुद्गल : एक अध्ययन — डॉ. के. वजना

२. चित्रा मुद्गल के कथा साहित्य में संघर्ष और संचेतना — डॉ. अंजु दुआ जैमिनी

३. आवां विमर्श — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

४. हिंदी कथा साहित्य का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

५. विविधा — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

६. साहित्य और संस्कृति के सरोकार — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

७. सृजन के अनछुए संदर्भ — सं. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

८. हिंदी साहित्य : मूल्यांकन और मूल्यांकन — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

९. हिंदी उपन्यास का स्त्री—पाठ — डॉ. रोहिणी अग्रवाल

१०. स्त्री—लेखन : स्वप्न और संकल्प — डौ. रोहिणी अग्रवाल

११. समकालीन कहानी : नया परिप्रेक्ष्य — डॉ. पुष्पपाल सिंह

१२. आधी दुनिया का सच — डॉ. कुमुद शर्मा

१३. स्त्री—विमर्श की उत्तर—गाथा — अनामिका

१४. माय देह नहीं है औरत — मृदुला सिन्हा

१५. अपने होने का अर्थ — रेखा कस्तवार

१६. अस्मिता बोध के विविध आयाम — कविता भाटिया

१७. हिंदी कथा साहित्य : एक दृष्टि — डॉ. सत्यकेतु संस्कृत

१८. २१वीं शती का हिंदी उपन्यास — डॉ. पुष्पपाल सिंह

१९. भूमंडलीकरण और हिंदी उपन्यास — डॉ. पुष्पपाल सिंह

२०. हिंदी उपन्यास का इतिहास — डॉ. गोपाल राय

२१. समकालीन साहित्य और भूमंडलीकरण — सं. डॉ. अनिल सिंह

Semester - III (तृतीय सत्र)

Course Code : PAHIN 113.5

प्रश्न पत्र — १३.५

विशेष अध्ययन — मोहनदास नैमिशराय

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. जख्म हमारे — वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११०००२

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. चुनी हुई कहानियाँ — अनन्य प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११०००२

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. हेलो कॉमरेड — राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११०००२

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १३.४)

१. साहित्य और संस्कृति के सरोकार — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२. भारतीय दलित आंदोलन का इतिहास — मोहनदास नैमिषराय

३. दलित साहित्य का सौंदर्य—शास्त्र — ओमप्रकाश वाल्मीकि

४. दलित साहित्य : अनुभव, संघर्ष और यथार्थ — ओमप्रकाश वाल्मीकि

५. हिन्दी कथा साहित्य का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

६. हिंदी दलित साहित्य का वैश्विक स्वरूप — डॉ. विष्णु सरवदे

७. हिंदी दलित कहानियों का वैश्विक स्वरूप — डॉ. विष्णु सरवदे

८. पिजरें के परिदृश्य का बाहर का आत्मकथन — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

९. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र और दलित कविता — डॉ. विष्णु सरवदे

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 114.1

प्रश्न पत्र — १४.१

तुलनात्मक साहित्य (सैद्धांतिक)

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. तुलनात्मक साहित्य का स्वरूप

१.१. अर्थ, परिभाषा एवं व्युत्पत्ति

१.२. तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन की परंपरा

१.२.१. भारतीय

१.२.२. पाश्चात्य

इकाई दो **श्रेयांक — १**

२.१ तुलनात्मक अध्ययन के घटक तत्त्व

२.२ तुलनात्मक साहित्य के प्रमुख स्कूल

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

३. तुलनात्मक अध्ययन के सिद्धांत

३.१. तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन के प्रतिमान

३.२. तुलनात्मक अध्ययन की उपयोगिता एवं महत्त्व

३.३. तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ

३.४. तुलनात्मक साहित्य के मूल्य

इकाई चार **श्रेयांक — १**

४. तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि एवं प्रभाव

४.१. तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि

४.२. तुलनात्मक अध्ययन की दिशाएँ

४.३. तुलनात्मक साहित्य में कथ्य—मीमांसा

४.४. तुलनात्मक साहित्य में रूप एवं शिल्प—मीमांसा

४.५. तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययन का प्रभाव—क्षेत्र

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र १४.१)

१. तुलनात्मक साहित्य का विश्वकोष — सं. डॉ. 'पांडेय' शशिभूषण 'शीतांशु'

२. तुलनात्मक साहित्य की प्रविधि — डॉ. इंदुनाथ चौधरी

३. साहित्य—दर्शन — आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री

४. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका — डॉ. इंदुनाथ चौधरी

५. तुलनात्मक साहित्य : नये सिद्धांत और उपयोजन — आनंद पाटिल (अनु. चंद्रलेखा)

६. तुलनात्मक भारतीय साहित्य : अवधारणा और मूल्य — प्रो. ऋषभदेव शर्मा

७. भारतीय साहित्य की भूमिका — डॉ. रामविलास शर्मा

८. परंपरा का मूल्यांकन — डॉ. रामविलास शर्मा

९. भारत : इतिहास और संस्कृति — गजानन माधव मुक्तिबोध

१०. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ — के. सच्चिदानंद

११. आधुनिक साहित्य — नंददुलारे वाजपेयी

१२. तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य — सं. हनुमान प्रसाद शुक्ल

१३. हिंदी की साहित्यिक संस्कृति और भारतीय आधुनिकता — डॉ. राजकुमार

१४. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. बच्चन सिंह

१५. हिंदी आलोचना के बीज शब्द — डॉ. बच्चन सिंह

१६. हिंदी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली — डॉ. अमरनाथ

१७. पाश्चात्य काव्यचिंतन — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१८. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१९. मध्यकालीन काव्य : चिंतन और संवेदना — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२०. हिंदी साहित्य मूल्यांकन और मूल्यांकन — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२१. साहित्य और संस्कृति के सरोकार — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२२. मिथक की समकालीनता — सं. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२३. अप्रतिम भारत — सं. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२४. अतुल्य भारत — सं. वीरेन्द्र याज्ञनिक

२५. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था — डॉ. आरसु

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 114.2

प्रश्न पत्र — १४.२

मराठी से हिन्दी में अनुदित साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

१. वाइरस (उपन्यास) — जयंत विष्णु नार्लीकर, पेपर बैक, २०१६, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११०००२

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

२. यह जनता अमर है (बिंदा करंदीकर की कविताएँ) — अनुवाद. चंद्रकांत बांदिवडेकर, प्र.स. २००१, संवाद प्रकाशन, आई — ४९९, शास्त्रीनगर, मेरठ — २५००४ (उ.प्र)

चयनित कविताएँ : माड़ वृक्षों, पश्चिम सागर, जाड़े की गुनगुनी धूप, चूकी दिशाएँ फिर भी, हे ब्रह्ममन्त, बकी, जबरदस्त, विद्रोही आत्माएँ, लेकिन श्रेय तुम्हारा ही है, यह जनता अमर है।

इकाई चार **श्रेयांक — १**

३. घासीराम कोतवाल (नाटक) — विजय तेंदुलकर, अनुवाद — वसंत देव, पेपर बैक — २००७, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११०००२

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र १४.२)

१. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२. जयंत नार्लीकर आत्मचरित (मराठी) — डॉ. जयंत नार्लीकर

३. तुलनात्मक साहित्य : सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य — सं. डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल

४. मराठी साहित्य परिदृश्य — डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

५. भारतीय साहित्य की भूमिका — डॉ. रामविलास शर्मा

६. सृजन का अंतर्पाठ — डॉ. कृष्णदत्त पालीवाल

७. भारतीय साहित्य — मूलचंद गौतम

८. रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र — देवेन्द्रराज अंकुर

९. रंगमंच के सिद्धांत — महेश आनंद, देवेन्द्रराज अंकुर

१०. घासीराम कोतवाल की शिल्पविधि — दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रकाशन

११. शब्दसृष्टि का चंद्रकांत बांदिवडेकर विशेषांक — संपा. प्रा. मनोहर, डॉ. विजया

१२. हिंदी तथा मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन — डॉ. मिर्जा असदबेग

१३. हिंदी साहित्य तथा भाषा को महाराष्ट्र की देन — डॉ. रणजीत जाधव

१४. हिंदी और मराठी उपन्यास कोश — डॉ. हरिदास

१५. विविधा — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१६. अप्रतिम भारत — स. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१७. साहित्य और संस्कृति के सरोकार — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१८. हिंदी साहित्य : मूल्यांकन और मूल्यांकन — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

१९. पाश्चात्य काव्य चिंतन — डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय

२०. मिथक की समकालीनता — सं. डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

२१. अतुल्य भारत — सं. वीरेन्द्र याज्ञनिक

२२. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था — डॉ. आरसु

२३. भारतीय उपन्यास की दिशाएँ — डॉ. सत्यकाम

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 114.3

प्रश्न पत्र — १४.३

उर्दू से हिन्दी में अनुदित साहित्य

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

उपन्यास : उमराव जान अदा — मिर्जा हादी रूस्वा,
राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली — ११०००२

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

कहानी : भारतीय उर्दू कहानियाँ — नासिरा शर्मा,
सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली — ११०००२

इकाई चार **श्रेयांक — १**

कविता : मेरी आवाज़ सुनो — कैफ़ी आजमी,
राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली — ११०००२

सदंर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १४.३)

१. समकालीन लेखिका नासिरा शर्मा का कथा साहित्य — डॉ. ज्योति गजभिये
२. उपन्यास की संरचना — गोपाल राय
३. औरतें पाकिस्तान बनाम हिन्दुस्थान — विश्वमित्र शर्मा
२. उर्दू पर खुलता दरीचा — डॉ. गोपीचंद नारंग
३. उर्दू साहित्य की परम्परा — डॉ. जानकी प्रसाद शर्मा
४. उर्दू साहित्य का देवनागरी में लिपिकरण — डॉ. वागीश शुक्ल

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 114.4

प्रश्न पत्र — १४.४

प्रवासी साहित्य

पाठ्य पुस्तकें :

इकाई एक और दो **श्रेयांक — २**

उपन्यास : अपना मन उपवन — अभिमन्यु अनत, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली — ११०००२

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

कहानी : वह रात और अन्य कहानियाँ — डॉ. उषाराजे सक्सेना, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली — ११०००२

इकाई चार **श्रेयांक — १**

काव्यसंग्रह : अमरीका हड्डियों में जम जाता है — डॉ. अंजना संधीर, साहित्य सदन प्रकाशन, नयी दिल्ली — ११०००२

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १४.४)

१. हिन्दी का प्रवासी साहित्य — डॉ. कमलकिशोर गोयनका
२. प्रवासी संसार — डॉ. राकेश पाण्डेय
३. हिन्दी के प्रवासी साहितय की परंपरा — डॉ. स्वर्णलता ठन्ना
४. कौनसी जमीन अपनी — डॉ. सुधाओम ढींगरा
५. प्रवासी साहित्य जोहान्सबर्ग से आगे — डॉ. कमलकिशोर गोयनका
६. प्रवासी भारतीय लेखक — डॉ. अंजना संधीर
७. हिन्दी का विश्व संदर्भ — डॉ. करूणाशंकर उपाध्याय
८. मॉरिशस का सृजनात्मक हिन्दी साहित्य — सं. विमलेश कांति वर्मा
९. पश्चिमी देशों की प्रवासी कहानियाँ — डॉ. राकेश पाण्डेय
१०. गिरमिटिया गाथा — डॉ. राकेश पाण्डेय
११. हिन्दी विश्व — डॉ. राकेश पाण्डेय
१२. मॉरिशस भारतीय संस्कृति की तीर्थ — डॉ. राकेश पाण्डेय

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

कौशल आधारित पाठ्यक्रम

Skilled Based Syllabus

Course Code : PAHIN 115.1

प्रश्न पत्र — १५.१

जनसंचार माध्यम

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. जनसंचार की अवधारणा : अर्थ, परिभाषा और महत्व

२. संचार प्रक्रिया के तत्त्व

इकाई दो **श्रेयांक — १**

३. सामाजिक विकास में जनसंचार की भूमिका

४. जनसंचार माध्यमों का विकास : अ. मुद्रित जनसंचार माध्यम
आ. श्रव्य जनसंचार माध्यम
इ. दृश्य जनसंचार माध्यम
ई. नव इलेक्ट्रोनिक जनसंचार माध्यम

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

५. जनसंचार माध्यम और विज्ञापन

६. जनसंचार माध्यमों की भाषा : क. मुद्रित माध्यमों की भाषा
ख. श्रव्य माध्यमों की भाषा
ग. दृक—श्रव्य माध्यमों की भाषा

इकाई चार **श्रेयांक — १**

७. जनसंचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग

८. साहित्यिक विधाओं का दृक—श्रव्य रूपान्तर

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १५.१)

१. जनसंचार माध्यम — गौरीशंकर रैना

२. मीडिया लेखन — सुमित मोहन

३. नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी — सुधीर पचौरी, अंचला नागर,
४. मीडिया और जनसंवाद — वर्तिका नंदा
५. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग — विष्णु राजगढ़ियाँ
६. टेलीविजन की कहानी — डॉ. श्याम कश्यप
७. मीडिया और बाजारवाद — संपा. रामशरण जोशी
८. कसौटी पर मीडिया — मुकेश कुमार
९. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया — मधुकर लेले
१०. जनसंचार और मीडिया लेखन — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर
११. वैश्विक परिदृश्य में साहित्य, मीडिया और समाज — सं. उमापति दीक्षित, डॉ. अनिल सिंह

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 115.2

प्रश्न पत्र — १५.२

प्रयोजन मूलक हिंदी

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. प्रयोजन मूलक हिन्दी — अवधारणा एव स्वरूप, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

२. हिन्दी के विविध रूप — सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा

इकाई दो और तीन **श्रेयांक — २**

३. राजभाषा हिन्दी — संकल्पना एवं स्वरूप

४. राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान —

अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक

राष्ट्रपति के निदेश

राजभाषा आयोग

संसदीय समितियाँ

राजभाषा समितियाँ

भाषा नीति संबंधी सरकारी संकल्प

राजभाषा नीति के क्रियान्वयन की समस्याएँ

इकाई चार **श्रेयांक — १**

५. वैश्वीकरण और हिन्दी — विदेशों में हिन्दी पत्रकारिता

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १५.२)

१. खड़ी बोली का आंदोलन — डॉ. शितिकंठ मिश्र

२. भारतीय राष्ट्रभाषा की सीमाएँ — डॉ. सत्यव्रत

३. राजभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदोलन का इतिहास — डॉ. उदयनारायण दुबे

४. राजभाषा हिन्दी — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

५. प्रयोजन मूलक हिन्दी — डॉ. विनोद गोदरे

६. प्रयोजन मूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग — डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त
७. प्रयोजन मूलक हिन्दी : सिद्धांत एवं व्यवहार — डॉ. रघुनंदन प्रसाद शर्मा
८. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग — डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा
९. भाषा और प्रौद्योगिकी — डॉ. विनोद कुमार प्रसाद
१०. हिन्दी का विश्वसंदर्भ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय
११. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा — डॉ. सुरेशकुमार
१२. अनुवादविज्ञान — डॉ. भोलानाथ तिवारी
१३. अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार — एस. के. शर्मा
१४. अनुवाद विज्ञान — सिद्धांत और अनुप्रयोग — संपा. डॉ. नगेंद्र
१५. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग — डॉ. जी. गोपीनाथन
१६. अनुवाद कला — सिद्धांत और प्रयोग — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
१७. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ — डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
१८. अनुवाद बोध — संपा. डॉ. गार्गी गुप्त
१९. काव्यानुवाद की समस्याएँ साहित्य का अनुवाद — डॉ. भोलानाथ तिवारी, महेंद्र चतुर्वेदी
२०. अनुवाद, भाषाएँ : समस्याएँ — डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
२१. अनुवाद और मशीनी अनुवाद — वृषभ प्रसाद जैन
२२. अनुवाद कला — डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
२३. समकालीन साहित्य और भूमंडलीकरण — सं. डॉ. अनिल सिंह

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 115.3

प्रश्न पत्र — १५.३

पत्रकारिता

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. पत्रकारिता : अर्थ एवं स्वरूप

२. पत्रकारिता के माध्यमगत रूप — मुद्रित पत्रकारिता एवं इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता का सामान्य परिचय।

इकाई दो **श्रेयांक — १**

३. पत्रकारिता के विषयगत रूप — खोजी पत्रकारिता, महिला पत्रकारिता, बाल पत्रकारिता, क्रीड़ा पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, फिल्म पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता का सामान्य परिचय।

५. पत्रकारिता का उद्‌भव एवं विकास

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

६. पत्रकारिता और सृजनात्मक लेखन — संपादकीय, फीचर, साक्षात्कार, समीक्षा, व्यंग्य लेख।

७. मुद्रित पत्रकारिता के आयाम — समाचार के स्त्रोत, समाचार संकलन, समाचार लेखन, समाचार संपादन, प्रूफ शोधन।

८. इलेक्ट्रानिक पत्रकारिता — रेडियों, टेलीविजन और इंटरनेट पत्रकारिता

इकाई चार **श्रेयांक — १**

९. प्रेस आचार संहिता एवं मुक्त प्रेस की अवधारणा।

१०. संपादक के गुण और दायित्व।

११. संवाददाता की योग्यता एवं कार्य पद्धति

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १५.३)

१. खड़ी बोली का आंदोलन — डॉ. शितिकंठ मिश्र

२. भारतीय राष्ट्रभाषा की सीमाएँ — डॉ. सत्यव्रत

३. राजभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदोलन का इतिहास — डॉ. उदयनारायण दुबे

४. राजभाषा हिन्दी — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

५. प्रयोजन मूलक हिन्दी — डॉ. विनोद गोदरे

६. प्रयोजन मूलक हिन्दी : संरचना एवं अनुप्रयोग — डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त

७. प्रयोजन मूलक हिन्दी : सिद्धांत एवं व्यवहार — डॉ. रघुनंदन प्रसाद शर्मा

८. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग — डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा

९. भाषा और प्रौद्योगिकी — डॉ. विनोद कुमार प्रसाद

१०. हिन्दी का विश्वसंदर्भ — डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 115.4

प्रश्न पत्र — १५.४

मीडिया लेखन

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार

२. श्रव्य माध्यम लेखन (विविध कायक्रमों का परिचन एवं लेखन)

२.१. रेडियों का संक्षिप्त परिचय

२.२. रेडियों के विभिन्न कार्यक्रम

२.३. समाचार लेखन व निर्माण तथा वाचन

२.४. रेडियो नाटक

२.५. उद्घोषणा लेखन

२.६. फीचर — लेखन

२.७. रिपोर्ताज लेखन

२.८. धारावाहिक लेखन

इकाई दो **श्रेयांक — १**

३. श्रव्य—दृश्य माध्यम — फिल्म, टेलीविंजन और वीडियो

फिल्म

टेलीविजन

दृश्य माध्यमों की भाषा

पटकथा लेखन

टेलीड्रामा

डॉक्यूमेन्टरी

संवाद लेखन

टी. वी. नाटक लेखन

४. फिल्म और टी. वी. के कथानक लेखन में अन्तर

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

५. पटकथा एवं संवाद लेखन

५.१ पटकथा क्या है?

५.२ कहानी क्या है?

५.३ पटकथा के लिए कहानी कैसी हो

५.४ स्क्रीन प्ले लेखन

५.५ संवाद क्या है?

५.६ संवाद के प्रकार

५.७ संवाद के काम

५.८ संवाद और पात्र

५.९ संवाद की भाषा

५.१० संवाद, ध्वनि प्रभाव और अंगिक भाषा

इकाई चार **श्रेयांक — १**

६. विज्ञापन लेखन

विज्ञापन माध्यमों का चयन

प्रेस विज्ञापन

समाचार पत्र

समाचार — पत्रीय विज्ञापन

गुण व लाभ

सभीएँ

पत्रिका विज्ञान

गुण व लाभ

सीमाएँ

इलेक्ट्रोनिक मीडिया

गवेषण और विज्ञापन

विज्ञापन एजेंन्सी

विज्ञापन कानून और संहिताएँ

पॉपुलर कल्चर और विज्ञापन

विज्ञापन और स्त्री

विज्ञापन और बच्चे

कॉपी लेखन

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १५.४)

१. जनसंचार माध्यम — गौरीशंकर रैना

२. मीडिया लेखन — सुमित मोहन

३. नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी — सुधीर पचौरी, अंचला नागर,

४. मीडिया और जनसंवाद — वर्तिका नंदा

५. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग — विष्णु राजगढ़ियाँ

६. टेलीविजन की कहानी — डॉ. श्याम कश्यप

७. मीडिया और बाजारवाद — संपा. रामशरण जोशी

८. कसौटी पर मीडिया — मुकेश कुमार

९. जनसंचार और मीडिया लेखन — डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर

१०. कथा पटकथा — मन्नु भण्डारी

१२. पटकथा एक परिचय — मनोहर श्याम जोशी

१३. टेलीविजन लेखन — असगर वज़ाहत

१४. पटकथा लेखन — निर्देशिका — असगर वज़ाहत

१५. टेलीविजन की भाषा — हरिशचंद्र बर्नवाल

१६. टेलीविजन पटकथा लेखन — विनोद तिवारी

१७. न्यु मीडिया : इंटरनेट की भाषाई और चुनोतियाँ और संभावनाएँ — आर. अनुराधा

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 115.5

प्रश्न पत्र — १५.५

सिनेमा अध्ययन एवं लेखन

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. भारतीय सिनेमा : उद्‌भव और विकास

च. मूक सिनेमा

छ. बोलती फ़िल्मे

ज. स्वातंत्र्योत्तर सिनेमा

झ. आपातकाल के बाद सिनेमा

त्र. भूमंडलीकरण के बाद सिनेमा

इकाई दो **श्रेयांक — १**

२. विकास यात्रा और प्रक्रिया

ट. सिनेमा की विकास—यात्रा, पॉपुलर सिनेमा, आर्ट सिनेमा, हॉलीवुड सिनेमा

ठ. पॉपुलर सिनेमा, स्टंट फ़िल्में, बाल फ़िल्में, एनीमेशन फ़िल्में, ट्रैजेडी, कॉमेडी, हॉरर, रूदन हास्य (Sreio-comic) डॉक्यूमेंट्री, फीचर फ़िल्म

ड. सिनेमा पटकथा और संवाद—लेखन—c स्टोरि, स्क्रीन प्ले, डॉक्यूमेंट्री की पटकथा, संवाद, फीचर फ़िल्म की पटकथा, संवाद, शूटिंग स्क्रिप्ट

त. फ़िल्मी गीत—लेखन—टाइटल गीत, एकल गीत, समूह गीत, लोक गीत, साहित्यिक गीत, आइटम गीत

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

३. फ़िल्म—निर्देशन विभाग

अ. मुख्य सहायक निर्देशक — कार्य, गुण और महत्त्व

आ. सहायक निर्देशक — १ सहयाक निर्देशक — २ कंटीन्युटी ब्यॉय

इ. प्रोडक्शन डिजाइनर, कला—निर्देशक डोप शीट, म्युजिक क्यू शीट

ई. कास्टिंग डायरेक्टर, नृत्य निर्देशक, संगीत निर्देशक, एक्शन डायरेक्टर, Dialect coach, मेकअप मैन

४. कैमरामैन, लाइटिंग

उ. लोकेशन—इंडोर, आउटडोर, लोकेशन—हॅटिंग

ऊ. फ़िल्म संपादन, संपादन : कार्य, गुण, महत्त्व

ए. प्रोडक्शन कंट्रोलर, सिनेमा का बजट

ऐ. सिनेमा की मार्केटिंग और प्रचार

इकाई चार **श्रेयांक — १**

५. फ़िल्म निर्माण कला

त. दृश्यांकन (Screen play)

थ. कास्टिंग

द. लोकेशन

ध. कला निर्देशन

न. छाया चित्रण

प. संपादन निर्देशन

फ. स्पेशल इफेक्ट

ब. ध्वनि मुद्रण

भ. संगीत

म. डबिंग

य. वितरण एवं प्रदर्शन

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १५.५)

१. नये दौर का सिनेमा — प्रियदर्शन

२. फिल्म निर्देशन — कुलदीप सिन्हा

३. भारतीय सिने सिद्धांत — डॉ. अनुपम ओझा

४. टेलीफिल्म निर्माण कला — विवेकानंद

५. समान्तर सिनेमा — डॉ. हूबनाथ पाण्डेय

६. हिन्दी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहास — दिलचस्प

७. इक्कीसवीं सदी का हिन्दी सिनेमा — डॉ. निर्मला भारती

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 115.6

प्रश्न पत्र — १५.६

अनुवाद

इकाई एक **श्रेयांक — १**

१. अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप, आवश्यकता एवं महत्त्व

२. अनुवाद कला एवं विज्ञान

इकाई दो **श्रेयांक — १**

३. अनुवाद के सिद्धांत

४. अनुवाद की प्रक्रिया

५. अनुवाद के भेद

इकाई तीन **श्रेयांक — १**

६. अनुवाद के उपकरण

७. अनुवाद के क्षेत्र एवं समस्याएँ

इकाई चार **श्रेयांक — १**

८. अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष

९. अनुवादक की योग्यताएँ

संदर्भ ग्रंथ : (प्रश्न पत्र — १५.६)

१. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा — डॉ. सुरेशकुमार

२. अनुवादविज्ञान — डॉ. भोलानाथ तिवारी

३. अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार — एस. के. शर्मा

४. अनुवाद विज्ञान — सिद्धांत और अनुप्रयोग — संपा. डॉ. नगेंद्र

५. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग — डॉ. जी. गोपीनाथन

६. अनुवाद कला — सिद्धांत और प्रयोग — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

७. अनुवाद सिद्धांत और समस्याएँ — डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी,
८. अनुवाद बोध — संपा. डॉ. गार्गी गुप्त
९. काव्यानुवाद की समस्याएँ साहित्य का अनुवाद — डॉ. भोलानाथ तिवारी, महेंद्र चतुर्वेदी
१०. अनुवाद, भाषाएँ : समस्याएँ — डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर
१८. अनुवाद और मशीनी अनुवाद — वृषभ प्रसाद जैन
१९. अनुवाद कला — डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर

Semester - IV (चतुर्थ सत्र)

Course Code : PAHIN 116

प्रश्न पत्र — १६

प्रकल्प लेखन

अंक विभाजन — ६० अंक प्रकल्प के लिए

४० अंक मौखिकी के लिए

सूचना : मुंबई विश्वविद्यालय का हिन्दी अध्ययन मंडल प्रकल्प के विषय उपलब्ध कराएगा। मुंबई विश्वविद्यालय, अन्य विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों के हिन्दी विभाग के प्राध्यापक प्रकल्प प्रस्तुत करने वाले छात्रों की मौखिकी लेने के लिए उपस्थित रहेगें। विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहने वाले परीक्षक का मानधन सम्बन्धित संस्थान को देय होगा। एक प्राध्यापक सारे केंद्रों को मिलाकर अधिकत्तम दस छात्रों का ही मार्गदर्शन कर सकेंगें।

Examination

1. External Examination (Semester and Examination) Total Marks – 60
2. Internal Examination (आंतरिक परीक्षण) Total Marks - 40

पुस्तक समीक्षा / प्रकल्प	— २० अंक
प्रस्तुतीकरण / रचनात्मक कार्य	— १० अंक
कक्ष शिक्षण के दौरान सहभागिता	— ०५ अंक
शिष्टाचार एवं समग्र आचरण	— ०५ अंक

प्रश्न पत्र १६ के लिए — ६० अंक (प्रकल्प)
— ४० अंक (मौखिकी)

एम.ए. द्वितीय वर्ष सेमेस्टर III और IV
प्रश्न पत्र का प्रारूप

I - Course पाठ्यक्रम — ९, १०, ११, १२.१, १२.३, १३.१, १३.२, १३.३, १३.४, १४.२, १४.३, १४.४ के लिए

प्रश्न १ — संदर्भ संहित व्याख्या — ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	— २० अंक
प्रश्न २ — दीर्घोत्तरी प्रश्न — ०२ प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	— ३० अंक
प्रश्न ३ — अ) ०५ अतिलघुत्तरीय प्रश्न	— ०५ अंक
ब) ०५ बहुविकल्पीय प्रश्न	— ०५ अंक

कुल योग — ६० अंक

II - Course पाठ्यक्रम — १२.२, १४.१, १५.१, १५.२, १५.३, १५.४, १५.५ के लिए

प्रश्न १ — पूछे गए ४ प्रश्नों में से २ के उत्तर अपेक्षित	— ४० अंक
प्रश्न २ — पूछे गए ४ टिप्पणियों में से २ के उत्तर अपेक्षित	— १० अंक
प्रश्न ३ — अ) ०५ अतिलघुत्तरीय प्रश्न	— ०५ अंक
ब) ०५ बहुविकल्पीय प्रश्न	— ०५ अंक

कुल योग — ६० अंक

एम. ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

प्रत्येक प्रश्न पत्र पर चार व्याख्यान प्रति सप्ताह

१६ x ४ = ६४ व्याख्यान

****